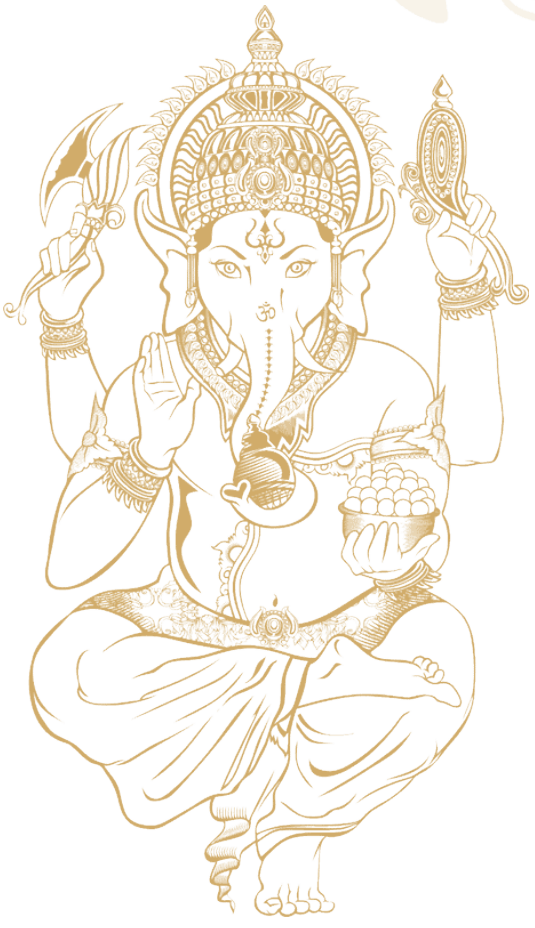

Subham

Jayoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121488702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/1994	जन्म तिथि	17/08/1998
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 15:45:00	जन्म समय	06:10:00 घंटे
घटी 25:47:53	जन्म समय(घटी)	02:43:44 घटी
India	देश	India
Bongaigaon	स्थान	Gorakhpur
26:28:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
90:34:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:32:16	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:25:50	सूर्योदय	05:28:56
17:10:18	सूर्यास्त	18:31:43
23:47:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:09

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 1वर्ष 1मा 17दि		19:54:05	कुंभ	लग्न	सिंह	08:14:18	मंगल 4वर्ष 2मा 17दि	
गुरु		18:09:38	कन्या	सूर्य	सिंह	00:05:38	गुरु	
21/11/2020		21:49:33	कन्या	चंद्र	वृष	28:38:11	03/11/2020	
21/11/2036		06:38:48	कर्क	मंगल	कर्क	03:43:31	03/11/2036	
गुरु	10/01/2023	11:52:25	तुला	बुध व	कर्क	24:49:40	गुरु	22/12/2022
शनि	23/07/2025	22:09:28	तुला	गुरु व	मीन	02:47:53	शनि	05/07/2025
बुध	29/10/2027	23:05:06	तुला	शुक्र	कर्क	10:36:40	बुध	11/10/2027
केतु	04/10/2028	12:53:59	कुंभ व	शनि व	मेष	09:47:28	केतु	15/09/2028
शुक्र	05/06/2031	21:18:38	तुला व	राहु व	सिंह	07:39:27	शुक्र	17/05/2031
सूर्य	23/03/2032	21:18:38	मेष व	केतु व	कुंभ	07:39:27	सूर्य	05/03/2032
चन्द्र	23/07/2033	28:36:21	धनु	हर्ष व	मक	16:23:22	चन्द्र	05/07/2033
मंगल	29/06/2034	26:47:19	धनु	नेप व	मक	06:18:16	मंगल	11/06/2034
राहु	21/11/2036	02:29:03	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:27:38	राहु	03/11/2036

लग्न-चलित

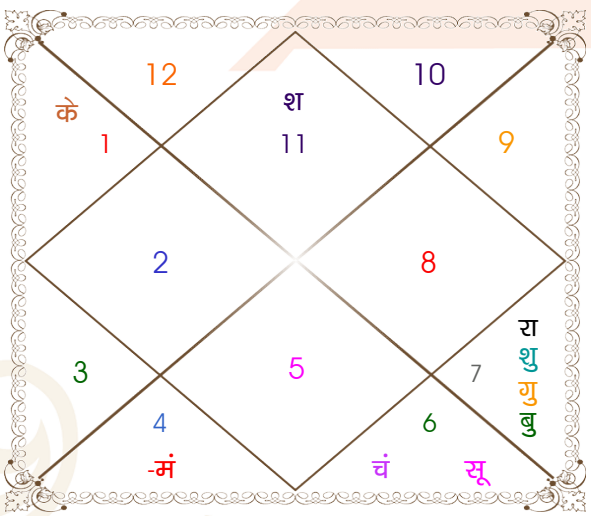

लग्न-चलित

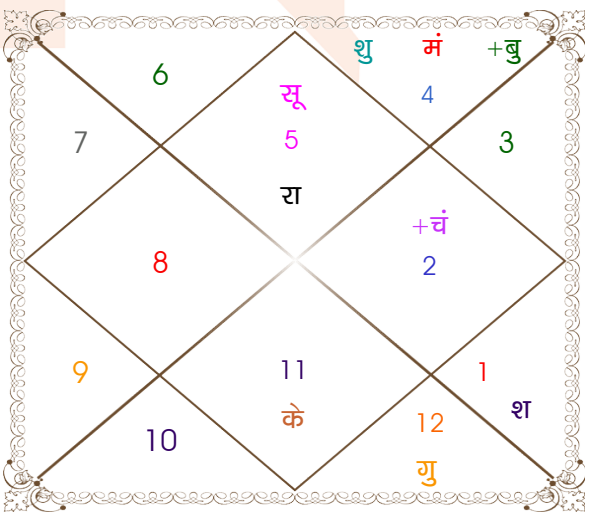

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Subham का वर्ग श्वान है तथा Jayoti का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Subham और Jayoti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Subham मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Jayoti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jayoti कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Jayoti कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Subham कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Subham तथा Jayoti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।